भजन

तर्ज–कहे तोसे सजनी

बल बल जाऊं चरण कमल पे
बल बल जाऊं पिया के नूरी मुख पे
दर्शन कर जिनके सुख उपजे है
1–नैन अनियारे,मेरे पिया के
हर पल, जो सनकूल रूहों पे
निरखती रंहू मैं जिया यही चाहे
2–कबुं हक सिर पर मुकुट है सोहे
पेच पाग के मन मेरा मोहे
बरनन सुन के जिया क्यों रहा रे
3–वस्तर भूखन तन की है शोभा
न पहना न उतारया है दूजा
हर रूह देखे है दिल माफक रे
4–कटि पेट पासे खभे है कैसे
देखत बने है न कहनी मे आवे
इलम से तेरे रूह सुख पाए